https://youtube.com/@BhojpurKiAwaz website-www.bhojpurkiawaz.com RNI-MPHIN/2020/79211

खबरों का नया पैमाना

भोजपुर की आवाज

मंडीदीप से प्रकाशित

संपादक: मिथलेश रघुवंशी

वर्ष- 5 अंक-34 मंडीदीप, शनिवार 22 अगस्त 2026 पृष्ठ-4, मूल्य 5.00 रूपए

टपकेश्वर महादेव में कलकल बहते झरने और हरियाली बनी आकर्षण का केंद्र

- *सीहोर जिले में देवीधाम सलकनपुर के पास प्राकृति की गोद में स्थित टपकेश्वर महादेव मंदिर, जहां पूरे समय प्राकृतिक रूप से भगवान शिव का होता है जलाभिषेक*

भोजपुर की आवाज़ @सीहोर।

सावन के पवित्र महीने और लगातार हो रही बारिश से सीहोर जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल सलकनपुर के समीप स्थित टपकेश्वर महादेव का अंचल प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर हो उठा है। विंध्याचल की पहाड़ियों और रातापानी अभयारण्य के सघन जंगलों के बीच बसा यह प्राचीन धाम इन दिनों श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान बना हुआ है।

प्रकृति स्वयं करती है भगवान शिव का जलाभिषेक - टपकेश्वर महादेव की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ की प्राकृतिक गुफा में स्थापित शिवलिंग है, जहाँ चट्टानों से 12 महीने प्राकृतिक रूप से जल की बूंदें टपकती रहती हैं। मान्यता है कि यहाँ स्वयं प्रकृति भोलेनाथ का निरंतर अभिषेक करती है। सावन के महीने में बारिश के कारण गुफा से जल टपकने की गति और बढ़ जाती है, जिसे देखने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से भक्त पहुँच रहे हैं।

पर्यटन और आस्था का अनोखा संगम- बारिश के मौसम में यहाँ का दृश्य किसी हिल स्टेशन से कम नजर नहीं आता। ऊँची पहाड़ियों से गिरते शीतल जल के झरने, कलकल बहती नदियाँ और चारों तरफ फैली हरी-भरी चादर श्रद्धालुओं का मन मोह रही है। सावन के सोमवारों पर यहाँ विशेष पूजा-अर्चना और मेले जैसा माहौल रहता है। आस्था के साथ-साथ लोग यहाँ परिवार संग प्रकृति के मनोरम दृश्यों का आनंद लेने और पिकनिक मनाने भी पहुँच रहे हैं।

कैसे पहुंचे -भोपाल से ओबेदुल्लागंज होते हुए सलकनपुर धाम पहुंचे, यहां करीब 3 किमी आगे बुधनी रोड पर नकटी तलाई गांव की ओर जाने वाले रास्ते से विंध्याचल की पहाड़ियों स्थित टपकेश्वर महादेव गुफा मंदिर तक पहुँच सकते हैं।

थाली पर भारी पड़ती महंगाई: कसूरवार कौन?

संपादक की कलम से

मिथलेश रघुवंशी

प्रधान संपादक

देश में शकर, खाद्य तेल, चावल और दालों जैसी बुनियादी वस्तुओं के दाम जिस तेज़ी से आसमान छू रहे हैं, उसने आम आदमी की रसोई का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए अब दो वक्त का पौष्टिक भोजन जुटाना भी एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। सवाल यह उठता है कि इस अनियंत्रित होती महंगाई का असली जिम्मेदार कौन है?

यदि गहराई से विश्लेषण करें, तो इसके लिए कोई एक कारक नहीं, बल्कि नीतिगत खामियां और बाजार का बिगड़ा तंत्र सामूहिक रूप से उत्तरदायी हैं। मौसम की मार और वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों का हवाला देकर जिम्मेदार एजेंसियां अक्सर अपना पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन असली समस्या बिचौलियों का जाला, कालाबाज़ारी और प्रशासनिक शिथिलता है। थोक मंडी से लेकर खुदरा बाजार तक पहुँचते-पहुँचते खाद्य पदार्थों की कीमतें दो से तीन गुना तक बढ़ जाती हैं। जमाखोर कृत्रिम किल्लत पैदा कर मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि सख्त कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकताएं निभाई जाती हैं।

दूसरी ओर, सरकार की नीतियां भी अक्सर देर से जगती हैं। आयात-निर्यात शुल्क में ऐन वक्त पर बदलाव और कमजोर भंडारण ढांचा स्थिति को और बिगाड़ देता है।

महंगाई केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की थाली से गायब होता पोषण है। जब तक जमाखोरी पर कठोर प्रहार, जमाखोरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक राहत की उम्मीद बेमानी है। सरकार और प्रशासन को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए तुरंत ठोस कदम उठाने होंगे, वरना बढ़ती महंगाई जनआक्रोश का रूप ले सकती है।

प्रदेश की राजनीति के दो-दो दिग्गजों से जुड़े तमोट गाँव के लोग कीचड़ से बदहाल, प्रदर्शन के बाद भी सो रहा प्रशासन

तमोट में 'प्लास्टिक पार्क' तो बन गया, पर गाँव की राह में दलदल!

भोजपुर की आवाज़ @ मंडीदीप।

भोजपुर विधानसभा से दो बार विधायक रहे और मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री पद संभाल चुके कद्दावर नेता गुलाब चंद तमोट की पहचान से जुड़े तमोट गाँव की ज़मीनी हकीकत आज विकास के तमाम दावों की पोल खोल रही है। जिस गाँव के नाम पर उद्योग विभाग ने अरबों की लागत से 'तमोट प्लास्टिक पार्क' विकसित कर दिया, उसी गाँव का मुख्य मार्ग आज भी बदहाली और उपेक्षा का शिकार है।

बारिश के मौसम में यह मुख्य रास्ता पूरी तरह दलदल और कीचड़ में तब्दील हो जाता है। गड्ढों में तब्दील हो चुकी इस सड़क से गुजरना रोज़ का अज़ाब बन चुका है। स्कूल जाने वाले नौनिहालों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई जान जोखिम में डालकर इस रास्ते से आवाजाही करने पर मजबूर है।

इनका कहना है

जिस गाँव ने प्रदेश को मंत्री दिए और जिससे केंद्रीय स्तर के नेताओं का जुड़ाव रहा, क्या वहाँ की जनता एक ढर्रे की पक्की सड़क के लिए भी तरसती रहेगी?

अंशुल चौहान, रहवासी तमोट

इनका कहना है

तमोट गांव की मुख्य सड़क प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत स्वीकृत करा दी गई है, सितंबर माह से सड़क का निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा।

सुरेन्द्र पटवा, विधायक भोजपुर।

शिवराज का संपर्क, फिर भी राहें वीरान!

ग्राम पंचायत तमोट की यह बदहाली इसलिए भी सबसे बड़ा सवाल खड़ी करती है क्योंकि यह क्षेत्र सीधे तौर पर दिग्गजों की कर्मभूमि रहा है। एक तरफ जहाँ यह गाँव राज्य के पूर्व मंत्री गुलाब चंद तमोट की राजनीतिक विरासत का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री और 18 सालों तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान का भी इस क्षेत्र से जीवंत जुड़ाव रहा है। इसके बावजूद गाँव की एक अदद पक्की सड़क का न बन पाना स्थानीय प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनप्रतिनिधियों के दावों पर गंभीर सवालिया निशान खड़ा करता है।

15 अगस्त को कीचड़ में 'तिरंगा यात्रा' निकालकर जताया था आक्रोश

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की इस अनदेखी से गाँव के युवाओं का सब्र अब जवाब दे चुका है। बेबसी और आक्रोश के बीच ग्रामीणों ने इस स्वतंत्रता दिवस पर अनोखा विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया था। गाँव के युवाओं ने कीचड़ और पानी से लबालब भरे इसी रास्ते से हाथ में तिरंगा लेकर 'तिरंगा यात्रा' निकाली थी, ताकि सोए हुए हुक्मरानों की नींद खुल सके।

लेकिन अफ़सोस, आज़ादी के जश्न के बीच जलभराव से निकली इस आक्रोशित पुकार के बाद भी ज़िम्मेदार अधिकारियों के कान पर जूँ तक नहीं रेंगी है। गाँव के रास्ते जस के तस बदहाल पड़े हैं और ग्रामीण रोज़मर्रा की परेशानियों से जूझने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

लूट सहित अन्य मामलों में फरार आरोपी सच्चू पटवा को पुलिस ने दबोचा

मंडीदीप। मंडीदीप थाना क्षेत्र का आदतन अपराधी और लूट के मामले में कई महीनों से फरार चल रहा आरोपी सच्चू पटवा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सतलापुर थाना क्षेत्र में बीते दिनों एक फेरी वाले के साथ छीना-झपटी कर पैसे ऐठने के मामले में सच्चू पटवा और विश्वजीत भारती आरोपी हैं। बताया जाता है कि सच्चू पटवा मंडीदीप थाना क्षेत्र में हुई एक लूट का आरोपी था और लंबे समय से फरार घूम रहा था। सतलापुर व मंडीदीप पुलिस के संयुक्त अभियान में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

नौसेना शिविर में सीएलआरआर विद्यार्थियों ने सीखे साहस के गुर

भोजपुर की आवाज़ @ मंडीदीप।

शहर के सीएलआरआर इंटेलेक्चुअल इंटरनेशनल स्कूल एवं सी.एल. आर्य साइंस हायर सेकेंडरी स्कूल, मंडीदीप के विद्यार्थियों ने भारतीय नौसेना द्वारा एनएसएन भोपाल में आयोजित सेलिंग, वाटरमैनशिप एवं नारी शक्ति प्रशिक्षण शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंडीदीप क्षेत्र से इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित एकमात्र विद्यालय सीएलआरआर है। कक्षा 7, 8 और 9 के विद्यार्थियों ने नौसेना के प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सेलिंग, रोइंग, कैनोइंग, कयाकिंग, वाटरमैनशिप, टीम बिल्डिंग और नेतृत्व प्रशिक्षण जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया।

इन गतिविधियों से विद्यार्थियों ने जल-क्रीड़ा कौशल के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की क्षमता जैसे जीवन-कौशल सीखे। अनुभव रोमांचक और प्रेरणादायक रहा। प्रशिक्षकों ने सुरक्षा, अनुशासन और टीमवर्क का महत्व समझाया।

विद्यालय प्रबंधन ने भारतीय नौसेना एवं आईएनएस सर्कार्स, ईस्टर्न नेवल कमांड का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दोनों विद्यालय वास्तविक जीवन के अनुभव और नेतृत्व विकास के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नपा द्वारा करीब एक करोड़ की राशि खरचकर इंदिरा नगर में बैंक स्ट्रीट के सामने बनाई जा रही है स्मार्ट पार्किंग

चार साल बाद भी अधूरी स्मार्ट पार्किंग काम बीच में छोड़कर ठेकेदार हुआ गायब

भोजपुर की आवाज़ @ मंडीदीप।

शहर के वार्ड 11 इंदिरा नगर में हाईवे किनारे मंगल बाजार से फायर स्टेशन तक बैंक स्ट्रीट के सामने बन रही स्मार्ट पार्किंग परियोजना चार साल बीत जाने के बाद भी अधूरी पड़ी हुई है। ठेकेदार निर्माण अधूरा छोड़कर गायब हो गया है, जबकि करीब इस पर एक करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि खर्च हो चुकी है। नगर पालिका अधिकारियों की गैर-जिम्मेदारी और लेट-लतीफी ने इस महत्वाकांक्षी योजना को सफेद हाथी बना दिया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह स्मार्ट पार्किंग क्षेत्र की पार्किंग समस्या को दूर करने के लिए शुरू की गई थी। हाईवे किनारे बैंक स्ट्रीट जैसे व्यस्त इलाके में वाहनों की भीड़ कम करने और व्यवस्थित पार्किंग उपलब्ध कराने के उदेश्य से यह पार्किंग बनाई जा रही थी, लेकिन निर्माण कार्य आधा-अधूरा छोड़ दिया गया।

आधे अधूरे पेवर ब्लॉक उखड़ने लगे है, ठेकेदार का कोई अता-पता नहीं। इसके बाबजूद नपा अधिकारियों ने न तो ठेकेदार के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई की और न ही काम पूरा कराने की कोई ठोस पहल।स्थानीय नागरिकों में आक्रोश है। वे कहते हैं कि इतनी बड़ी राशि खर्च करके अधूरा काम छोड़ना नगर पालिका की नाकामी को उजागर करता है। हाईवे किनारे अव्यवस्थित पार्किंग से जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। अगर ठेकेदार गायब हो गया तो नपा को वैकल्पिक व्यवस्था कर काम पूरा कराना चाहिए था। लेकिन अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं।

इनका कहना है

नपा की स्मार्ट पार्किंग का अधूरा निर्माण लावारिस पड़ा हुआ है यहां दिन भर लोग बैठकर शराबखोरी करते हैं, लेकिन इसे देखने वाला कोई नहीं।

कृष्ण कुमार चौबे रहवासी इंदिरा नगर।

स्मार्ट पार्किंग का अधूरा निर्माण पूरा करने के लिए ठेकेदार को बुलाया गया है और जल्दी इस काम को पुन शुरू कर पूरा करेंगे।

सुधीर उपाध्याय, नपा सीएमओ मंडीदीप।

मृत्युंजय मल्टीस्पेशलिटी (MJM) हॉस्पिटल

MJM Hospital

डायरेक्टर: डॉ. ज्योति शलभ तिवारी (MBBS, DGO)

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित अत्याधुनिक अस्पताल

स्त्री रोग विशेषज्ञ | हड्डी रोग विशेषज्ञ | शिशु रोग विशेषज्ञ | ईएनटी रोग विशेषज्ञ | सोनोग्राफी | जनरल मेडिसिन एंव सर्जरी | क्रिटिकल केयर

Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana आयुष्मान भारत PM-JAY

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 5 लाख तक मुफ्त इलाज

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESI) योजना के अंतर्गत बीमित कर्मचारियों और उनके आश्रितों का मुफ्त इलाज

INSURANCE कम्पनी से कैशलेस ईलाज की सुविधा उपलब्ध

PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE NABH ENTRY LEVEL CERTIFIED

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION ESIC SOCIAL SECURITY

मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY

- अत्याधुनिक सुविधाएँ
- 24x7 इमरजेंसी सुविधा
- अनुभवी एवं कुशल चिकित्सक
- सभी प्रकार के इंश्योरेंस/टी.पी.ए. की सुविधा

24/7 इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध

सेठ फूलचन्द नगर, मेन हाईवे रोड़, मण्डीदीप

07480-424493 | 9893446010

संपादकीय | मुकदमों के घेरे में 300 से ज्यादा सांसद

देश की राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे नेताओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस मुद्दे पर अलग-अलग समय में बहस और चर्चाएं भी होती रही हैं। किसी भी समाज में यह उम्मीद की जाती है कि उनके जनप्रतिनिधि में उच्च स्तर की ईमानदारी, बेदाग छवि और दूरदर्शी सोच होनी चाहिए। एक आदर्श राजनेता उसे कहा जाता है, जो व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र और समाज के कल्याण को प्राथमिकता दे। मगर जब कोई नेता गंभीर आरोपों में घिरा हो, तो वह जनता की अपेक्षाओं की कसौटी पर कितना खरा उतर पाएगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल एक हलफनामे में बताया गया कि देश भर में सांसदों और विधायकों के खिलाफ चार हजार से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें तीन सौ से ज्यादा सांसद तथा चौदह मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि राजनीति में शुचिता के मानदंडों पर क्या सही मायने में अमल हो पा रहा है? साथ ही इस पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि राजनेताओं के लिए विशेष व्यवस्था के बावजूद उनके खिलाफ मुकदमे के निपटारे में इतना लंबा वक्त क्यों लग जाता है। देश की राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे नेताओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस मुद्दे पर अलग-अलग समय में बहस और चर्चाएं भी होती रही हैं। इसके बावजूद विधायिका में ऐसे जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति बनी हुई है, जिनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सवाल सिर्फ मुकदमे जल्दी निपटाने का नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध राजनीति में आपराधिक छवि के लोगों की मौजूदगी और जवाबदेही से भी

है। इसमें दो राय नहीं कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला लंबित होना और उसका अपराध साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुकदमे का सामना करने वाले व्यक्ति को तब तक अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक उसे अदालत से दोषी न करार दिया जाए। मगर सवाल यह भी है कि जो समाज अपने नेता को एक आदर्श व्यक्ति के रूप में देखता है, अगर वह गंभीर आरोपों में घिरा हो, तो उसे किस तरह देखा जाएगा? क्या इससे ईमानदार राजनीति की शुचिता प्रभावित नहीं होगी? नैतिकता का तकाजा तो यही है कि जब किसी जनप्रतिनिधि पर गंभीर आरोप लगें, तो वह विधायी पद से खुद को अलग कर ले, लेकिन आज के समय में ऐसे उदाहरण दुर्लभ हैं।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों की ओर से अपने उम्मीदवारों पर दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी सार्वजनिक करने की व्यवस्था लागू की है, ताकि मतदाताओं को यह निर्णय करने में आसानी हो कि उन्हें किसे अपना जनप्रतिनिधि चुनना है। मगर, इस सब के बावजूद राजनीति में आपराधिक छवि के नेताओं के प्रवेश पर अंकुश नहीं लग पाया है। हलफनामे में कहा गया है कि वर्ष 2025 में सांसदों और विधायकों के खिलाफ 1,243 आपराधिक मामलों का निपटारा किया गया, जबकि उसी वर्ष 1,050 नए मामले भी दर्ज किए गए। हालांकि, सरकार की ओर से सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमों के जल्द निपटारे के लिए विशेष अदालतें बनाई गई हैं, लेकिन शीर्ष अदालत को दी गई जानकारी में बताया गया कि वर्ष 2018 से ऐसे लंबित मामलों की संख्या लगभग उसी स्तर पर बनी हुई है। जाहिर है कि सिर्फ विशेष अदालतें बना देने से समस्या खत्म नहीं होगी, बल्कि उनके पास ऐसे मामलों की सुनवाई प्राथमिकता के आधार पर करने के लिए पर्याप्त संसाधन होना भी जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश बेहद अहम- लाठी जवाब नहीं, पुलिस ज्यादती की जांच

जंतर मंतर पर जेन जी के आंदोलन के बाद अब मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर कई अहम निर्देश जारी किए हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी हलफनामा दिए हैं। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट के बाद पूरे देश में एक बदलाव देखा जा रहा है। नई पीढ़ी अपने अधिकारों, खासकर एजुकेशन सिस्टम में बेहतरी के लिए सड़कों पर उतर रही है। जेन जेड के साथ इसमें जेन अल्फा भी है। ये विरोध-प्रदर्शन व्यवस्था की खामियों को तो उजागर करते हैं, लेकिन यह भी दर्शाते हैं कि नई पीढ़ी जागरूक है और उसे पता है कि सरकार से सवाल पूछना उसका हक है। ऐसे में छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादती को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश बेहद अहम हो जाते हैं।

इससे जनता के अधिकारों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान पुलिस के अत्यधिक बल प्रयोग की जांच के लिए एक हाईपावर कमिटी गठित करने का निर्देश दिया है। हालांकि दिल्ली पुलिस ने इससे इनकार किया है। वहीं, बिहार सरकार ने माना है कि एक घटना में एके-47 का इस्तेमाल किया गया, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। दिल्ली पुलिस ने अपने हलफनामे में जो पॉइंट्स बताए हैं, उसमें यह बात महत्वपूर्ण है कि प्रदर्शन में आपराधिक रेकॉर्ड वाले भी घुस आए थे। इसके बावजूद ज्यादतियों के आरोपों की जांच जरूरी है, क्योंकि यह आम लोगों के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा मामला है। संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को बोलने और अपनी बात रखने की आजादी देता है।सुप्रीम कोर्ट ने अपने पिछले कई फैसलों में साफ किया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र का जरूरी हिस्सा हैं। जनता में सरकार की नीतियों, उसके कामकाज या किसी और वजह से असंतोष है, तो वह अपनी बात विरोध-प्रदर्शनों के माध्यम से रख सकती है। हालांकि ये अधिकार असीमित नहीं और सार्वजनिक व्यवस्था व सुरक्षा के मद्देनजर इन पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, लेकिन उसका भी स्पष्ट कारण और तरीका होना चाहिए। यदि कानून-व्यवस्था का कोई मसला है, तो समाधान भी कानून के दायरे में ही होना चाहिए। प्रशासन की जिम्मेदारी किसी आंदोलन-प्रदर्शन में अड़चन डालना नहीं, उसे व्यवस्थित बनाना है।महत्वपूर्ण है कि समिति महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने के आरोपों की भी जांच करेगी। यह मामला महिला सम्मान और गरिमा से जुड़ा हुआ है। प्रदर्शन के दौरान आए कुछ विडियो विचलित करने वाले हैं, और उनकी तह तक जाना जरूरी है। कुल मिलाकर, इस जांच को सिर्फ इस मामले में पुलिस की भूमिका तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। इसका असर आगे भी पड़ेगा। नई पीढ़ी के सवालों का जवाब संवाद है, लाठी नहीं।

आज का कार्टून

जनगणना में सिर्फ आबादी नहीं, बदलती जलवायु का हिसाब भी जरूरी

देश एक बार फिर जनगणना की तैयारी में है। लंबे अंतराल के बाद होने वाली यह जनगणना स्वाभाविक रूप से अनेक प्रश्नों के केंद्र में है। क्या इसमें जातिगत गणना होगी? इससे कल्याणकारी योजनाओं और राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर क्या प्रभाव पड़ेगा? राज्यों को संसाधनों का बंटवारा किस आधार पर होगा?

कुशाग्र राजेंद्र

ये सभी सवाल महत्त्वपूर्ण हैं और लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा भी, लेकिन इनके बीच एक बुनियादी सवाल लगभग अनुपस्थित है और यह कि क्या इक्कीसवीं सदी की जनगणना उन वास्तविकताओं को दर्ज करने के लिए तैयार है, जिनका सामना आज का भारत कर रहा है?

जनगणना प्राय- केवल आबादी गिनने की प्रक्रिया मानी जाती है। जबकि यह किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक दृष्टि का दर्पण होती है। कोई भी सरकार जिन बातों को जानना आवश्यक समझती है, वही उसके प्रश्नों में दिखाई देती हैं। इसलिए जनगणना केवल यह नहीं बताती कि देश में कितने लोग हैं, बल्कि यह भी बताती है कि राज्य अपने समाज को किस नजर से देख रहा है और भविष्य की चुनौतियों को किस प्रकार समझना चाहता है।

स्वतंत्र भारत की जनगणना समय के साथ बदलती रही है। आवास, पेयजल, शौचालय, बिजली, रसोई ईंधन, बैंकिंग सुविधा, मोबाइल फोन और इंटरनेट जैसी जानकारियां इनमें क्रमशः जुड़ती गईं। इनसे शासन को विकास योजनाएं बनाने, सामाजिक असमानताओं को समझने और कल्याणकारी कार्यक्रमों को लक्षित करने में बड़ी सहायता मिली। इसमें कोई संदेह नहीं कि आधुनिक भारत के निर्माण में जनगणना ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज भारत जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, वे केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। उत्तर भारत में तीव्र हो रही लू, भीषण गर्मी, पूर्वी भारत में आकाशीय बिजली गिरने की बढ़ती घटनाएं, असम और बिहार में बार-बार आने वाली बाढ़, बुंदेलखंड और दक्षिण में गहराता जल संकट, हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और हिमनद झीलों के फटने का खतरा तथा पश्चिमी भारत में भूजल का लगातार गिरता स्तर, ये सभी घटनाएं अब अलग-अलग पर्यावरणीय समस्याएं नहीं रहीं। इनका सीधा असर खेती, रोजगार, स्वास्थ्य, पलायन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

विडंबना यह है कि इन परिवर्तनों को समझने के लिए हमारे पास अलग-अलग विभागों में बहुत-सी सूचनाएं उपलब्ध हैं, लेकिन वे एक-दूसरे से जुड़ती नहीं हैं। मौसम का आंकड़ा एक संस्था के पास है, भूजल का दूसरे के पास, कृषि का तीसरे के पास और जनसंख्या का चौथे के पास। परिणाम यह है कि हमें यह तो पता है कि किसी गांव में कितने परिवार रहते हैं, लेकिन यह व्यवस्थित रूप से नहीं पता कि सूखते तालाब, घटता भूजल, बदलती फसलें या बार-बार आने वाली आपदाएं वहां के लोगों के जीवन और आजीविका को किस प्रकार बदल रही हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में समस्या केवल आंकड़ों की कमी नहीं है। समस्या यह है कि हमारे पास जीवन और पर्यावरण को एक साथ देखने वाली सूचना व्यवस्था नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि भारत के प्रशासनिक इतिहास में ऐसी समग्र दृष्टि के उदाहरण पहले से मौजूद हैं। इसका एक उदाहरण

1887 में तत्कालीन मारवाड़ राज्य में जनगणना के लिए तैयार की गई ग्राम प्रश्नावली है। यह केवल गांव की आबादी या राजस्व का ब्योरा भर नहीं मांगती थी। इसमें कुओं और तालाबों की संख्या, पानी की गुणवत्ता, मिट्टी का प्रकार, चरागाह, वृक्षों की प्रजातियां, पशुधन, स्थानीय फसलें, कुटीर उद्योग, महामारी, अकाल, पलायन, स्थानीय धरोहर और गांव की सामाजिक संस्थाओं तक का विवरण दर्ज करने के 56 प्रश्न थे। गांव को केवल घरों के समूह के रूप में नहीं, बल्कि मनुष्य, प्रकृति और स्थानीय संस्थाओं से मिलकर बने एक जीवंत तंत्र के रूप में देखा गया था।

उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में तैयार अनेक जिला गजेटियर और ग्राम अभिलेखों में वर्षा, नदियां, जंगल, मिट्टी, सिंचाई, पशुधन, स्थानीय उद्योग तथा प्राकृतिक संसाधनों यहां तक कि रीति-रिवाज, खान-पान तक का विवरण जनसंख्या संबंधी सूचनाओं के साथ मिलता है। निस्संदेह इन दस्तावेजों का उद्देश्य औपनिवेशिक प्रशासन, राजस्व निर्धारण और अकाल प्रबंधन था, पर्यावरण संरक्षण नहीं। फिर भी उन्होंने गांवों का ऐसा सामाजिक-पर्यावरणीय चित्र सुरक्षित कर दिया, जो आज जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में मूल्यवान स्रोत बन गया है। आधुनिक जनगणना का अपना स्पष्ट उद्देश्य होता है और उसे जनसंख्या संबंधी विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध कराने पर ही केंद्रित रहना चाहिए। मगर यह भी उतना ही सत्य है कि जलवायु परिवर्तन ने शासन की आवश्यकताओं को बदल दिया है। अगर विकास की चुनौतियां बदल रही हैं, तो सूचना तंत्र को भी समय के साथ विकसित और अद्यतन होना होगा।

दुनिया के कई देशों में अब यह चर्चा शुरू हो चुकी है कि आधिकारिक सांख्यिकी और जनगणना को सतत विकास लक्ष्यों तथा जलवायु अनुकूलन की आवश्यकताओं के अनुरूप कैसे अधिक उपयोगी बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग भी इस दिशा में विचार-विमर्श को आगे बढ़ा रहा है। ऐसे समय में भारत के पास विशेष अवसर है। हमारे पास समृद्ध ऐतिहासिक अभिलेख हैं, व्यापक डिजिटल अवसंरचना है और स्थानीय प्रशासन का विशाल तंत्र भी। आवश्यकता केवल इन सबको एक व्यापक दृष्टि से जोड़ने की है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि जनगणना का ढांचा पूरी तरह बदल दिया जाए, बल्कि इसके साथ ऐसे पूरक ग्राम या क्षेत्र आधारित प्रश्नावली जोड़े जा सकते हैं, जिनमें कुछ सीमित, मगर अत्यंत महत्त्वपूर्ण जानकारियां संकलित हों। उदाहरण के लिए, पारंपरिक जल स्रोतों की स्थिति, स्थानीय स्तर पर बार-बार आने वाली जलवायु संबंधी आपदाएं, खेती के स्वरूप में परिवर्तन, साझा प्राकृतिक संसाधनों की स्थिति, खास परंपरागत तरीके, जलवायु संकट के कारण पलायन और स्थानीय अनुकूलन की प्रक्रियाएं। ये केवल पर्यावरण संबंधी आंकड़े नहीं होंगे, बल्कि किसी गांव और क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक संदर्भ को समझने का जरिया बन सकते हैं। भारत आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल शासन और डेटा-आधारित नीति निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम और अधिक आंकड़े जुटा सकते हैं या नहीं। असली सवाल यह है कि क्या हम वही जानकारी एकत्र कर रहे हैं, जिसकी आने वाले दशकों में सबसे अधिक आवश्यकता होगी।

एक सदी पहले गांवों को समझने के लिए केवल लोगों की संख्या जानना पर्याप्त नहीं माना जाता था। उनके जल स्रोत, खेत, जंगल और पशुधन भी उतने ही महत्त्वपूर्ण समझे जाते थे। आज जलवायु परिवर्तन ने हमें फिर उसी बिंदु पर खड़ा कर दिया है। इसलिए आगामी जनगणना को केवल लोगों की गिनती तक सीमित न मानकर, बदलते समाज और बदलती प्रकृति के बीच संबंधों को समझने की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखने का समय आ गया है। संभव है कि भविष्य का सबसे प्रभावी प्रशासन वही हो, जो केवल आबादी नहीं गिने, बल्कि उन परिस्थितियों को भी समझे जिनमें वह आबादी अपना जीवन जी रही है।

दिल और दिमाग की जंग के बीच 'विचार-विनिमय'

विचार और अनुभूति मानव मन की दो अलग-अलग, लेकिन एक-दूसरे से संबंधित अवस्थाएं होती हैं। विचार जहां बुद्धि की सोच को कहा जाता है, वहीं अनुभूति दिल के अहसास या अनुभवों से जुड़ी होती है। यों आमतौर पर कहा जाता है कि कुछ लोग दिल से सोचते हैं, तो कुछ लोग दिमाग से सोचते हैं। जो दिमाग से सोचते हैं, वे हर बात में अपना लाभ-हानि देखते हैं और जो लोग दिल से सोचते हैं, वे दूसरों के दुख-दर्द से भी दुखी हो जाते हैं या दूसरों की खुशी में खुश भी हो जाते हैं।

राजेंद्र वामन काटदरे

कई बार देखा जाता है कि हम अपने किसी मित्र या परिजन को चिंताग्रस्त या चुपचाप बैठे देखते हैं, तो पूछ लेते हैं कि क्या विचार कर रहे होज्या क्या सोच रहे हो। हम किसी समस्या में उलझे अपने मित्र को या किसी अपने को सलाह भी दे देते हैं कि अब ज्यादा मत सोचो, ज्यादा विचार मत करो, सब ठीक ही होगा। मगर अब 'ज्यादा मत सोचो' कहने भर से दिमाग में चल रहे विचार-चक्र को या दिल में उठ रहे भावनाओं के बवंडर को रोकना भला हमारे या किसी के भी हाथ में कहां होता है?

यह विडंबना ही है कि मनुष्य का विचार-चक्र सतत चलता ही रहता है। सुख हो या दुख, मनुष्य अकेला हो या किसी महफिल में, उसके दिमाग में विचार आते ही रहते हैं। वह हरदम, हर पल कुछ न कुछ सोचता ही रहता है। यहां तक कि सोते हुए भी मानव के दिमाग का एक हिस्सा जागृत रहता ही है, जो दिनभर में सोची गई, देखी गई बातें दृश्य रूप में या स्वप्न के रूप में दिखाता रहता है। विचार का अर्थ सोच, खयाल या दिमाग में उठने वाली कल्पना या राय से लगाया जाता है। इसलिए कहा जाता है कि सोच-विचार एक प्रकार की मानसिक प्रक्रिया है। यों विचार या चिंतन को एक संज्ञानात्मक प्रक्रिया भी कहते हैं, जिसमें

मानव मन किसी बात या समस्या के अच्छे या बुरे दोनों पहलुओं पर सोचता रहता है और अपने मन-मस्तिष्क में मंथन-चिंतन करता रहता है। जब मनुष्य सोच-विचार करता है, तो इसमें तर्क, योजना, शब्द-चित्र हो सकते हैं। यानी सोच-विचार को किसी चीज या समस्या को समझने का मानसिक तरीका भी माना जा सकता है। घर के बुजुर्ग प्राय- कहते-समझाते हैं कि हमेशा अच्छा सोचना-विचारना चाहिए, क्योंकि अच्छा सोचेंगे, तो अच्छा होगा और बुरा सोचेंगे तो बुरा होगा। दरअसल, हमारी सोच और विचारों का हमारे आचरण पर प्रभाव भी साफ-साफ दिखता है। जो लोग अच्छा सोचते हैं, अच्छा विचार करते हैं, वे आमतौर पर दूसरों की मदद करने में भी अव्वल ही रहते हैं। जो बुरा सोचते हैं, वे औरों का या कई बार अनजाने में खुद का भी बुरा कर बैठते हैं। अगर कहा जाए कि मन के विचार ही हमारे जीवन को दिशा देते हैं, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि सकारात्मक विचार हमें आगे बढ़ने में मदद करते हैं और नकारात्मक विचार हमारा आत्मविश्वास खत्म कर, जीती हुई बाजी को भी हरवा सकते हैं। एक मराठी कहावत है कि 'मन चिंती, ते वैरी न चिंती' यानी कई बार हमारा मन इतनी बुरी बातें सोच लेता है, जो शायद हमारे किसी दुश्मन ने भी न सोची होंगी। घर के किसी सदस्य को किसी दिन घर आने में देर हो जाए और उससे संपर्क न हो रहा हो, तो मन में खराब विचार पहले आने लगते हैं कि कहीं उसके साथ कुछ बुरा तो नहीं हो गया। फिर हमारे विचारों की गति इतनी होती है कि पलभर में हम विचारों में ही सात समंदर पार कर सकते हैं। विचारों के बारे में एक मजेदार बात और भी है कि हम अपने विचारों का विनिमय भी कर सकते हैं। सुनने में अटपटा लगता है, क्योंकि विचार करना एक मानसिक प्रक्रिया है और विनिमय से तात्पर्य तो किसी वस्तु या सेवा के बदले में दूसरी वस्तु या सेवा या मुद्रा का आदान-प्रदान करना है। मगर जब ये दोनों शब्द साथ में आते हैं, तो एक नया शब्द विचार-विनिमय बनता है।विचार-विनिमय शब्द बताता है कि विचारों का भी आदान-प्रदान किया जा सकता है, बल्कि किया भी जाता है। दफ्तरों में होने वाली बैठकों में, जहां दफ्तर के अफसर या सहयोगी किसी समस्या विशेष को सुलझाने के लिए अपने-अपने विचार प्रकट करते हैं और इन्हीं अच्छे विचारों का एकत्रित स्वरूप, कार्यशैली के रूप में अपनाकर उक्त समस्या के निराकरण की कोशिश की जाती है। इसी प्रकार विविध संस्थाओं द्वारा किसी विषय-विशेष पर सेमिनार, विचार-विनिमय के लिए ही आयोजित किए जाते हैं। जिस प्रकार दूध की मलाई या दही को मथने पर घी निकलता है, ठीक उसी प्रकार किसी भी समस्या पर, चाहे वह कितनी ही बड़ी क्यों न हो, विचार-विनिमय करने से या विचार-मंथन करने से उसका हल या उस समस्या का निदान भी मिल ही जाता है। यों विचार-विनिमय से सिर्फ समस्याओं के हल ही नहीं मिलते, बल्कि अनेक लोग अपने विचारों का विनिमय मुद्रा कमाने के लिए भी करते हैं। सच नहीं लगता ना कि किसी के विचारों के लिए कोई अन्य मुद्रा या पैसा क्यों देगा? लेखक कहानी या लेख लिखकर, कविता या गीत लिखकर, हास्य कलाकार अपनी कल्पना या अपने विचारों से कुछ चुटकुले रच कर मुद्रा या पैसा कमा सकते हैं और कमाते भी हैं। विचारपूर्वक काम करने से किसी भी काम की सफलता सुनिश्चित हो सकती है। किसी ने कहा भी है कि पैर की मोच और छोटी सोच हमें आगे नहीं बढ़ने देती। ऐसे में सकारात्मक सोचें और यदि सादा जीवन एवं उच्च विचार अपना लिया जाए, तो जीवन सफल हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

छह माह से लंबित मजदूरी का जनसुनवाई में तत्काल कराया गया भुगतान

विदिशा,(निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले में आयोजित की जा रही खंडस्तरीय जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को गंजबासौदा तहसील सभागार में आयोजित खंडस्तरीय जनसुनवाई में दो श्रमिकों की छह माह से लंबित मजदूरी का तत्काल भुगतान कराया गया। क्षेत्र के तहसीलदार श्री अतुल श्रीवास्तव ने बताया है कि जनसुनवाई में आवेदक नीलेश कुशवाह एवं रविंद्र अहिरवार ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि एक निजी होटल संचालक द्वारा उनसे फरवरी माह में कलर एवं पुट्टी का कार्य कराया गया था। कार्य पूर्ण करने के बाद भी उन्हें उनकी मजदूरी की 15 हजार रुपये की राशि का भुगतान नहीं किया गया था। लंबे समय से भुगतान लंबित रहने के कारण दोनों श्रमिकों ने जनसुनवाई में अपनी समस्या रखी और मजदूरी दिलाए जाने का अनुरोध किया। आवेदन प्राप्त होते ही तहसीलदार बासौदा द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित होटल संचालक को तहसील कार्यालय में उपस्थित होने के लिए आहूत किया गया। तहसील कार्यालय में दोनों पक्षों की सुनवाई की गई तथा प्रकरण में श्रमिकों की लंबित मजदूरी का भुगतान किए जाने के निर्देश दिए गए। तहसीलदार के निर्देशों के बाद संबंधित होटल संचालक द्वारा तहसील कार्यालय पहुंचकर आवेदक नीलेश कुशवाह एवं रविंद्र अहिरवार को 15 हजार रुपये की मजदूरी राशि का तत्काल भुगतान कर दिया गया।

कलेक्टर के निर्देश पर खंडस्तरीय जनसुनवाई में त्वरित कार्रवाई, दो श्रमिकों को मिले 15 हजार रुपये

जिला जेल में एसडीईआरएफ ने दिया आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण

सीहोर,(निप्र)। सीहोर जिला जेल में एसडीईआरएफ की टीम द्वारा जेल स्टॉफ एवं बंदियों को आपदा प्रबंधन, बचाव कार्य तथा जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान आपदा की स्थिति में सुरक्षित बचाव, राहत कार्य और आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में सीपीआर सहित प्राथमिक जीवन रक्षक उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। एसडीईआरएफ के प्रशिक्षकों ने आपदा अथवा किसी आकस्मिक घटना के दौरान धैर्य बनाए रखते हुए त्वरित एवं प्रभावी ढंग से बचाव कार्य करने के तरीकों से जेल स्टॉफ एवं बंदियों को अवगत कराया। इस दौरान जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिला जेल में एसडीईआरएफ ने दिया आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण

सीहोर,(निप्र)। सीहोर जिला जेल में एसडीईआरएफ की टीम द्वारा जेल स्टॉफ एवं बंदियों को आपदा प्रबंधन, बचाव कार्य तथा जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान आपदा की स्थिति में सुरक्षित बचाव, राहत कार्य और आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में सीपीआर सहित प्राथमिक जीवन रक्षक उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। एसडीईआरएफ के प्रशिक्षकों ने आपदा अथवा किसी आकस्मिक घटना के दौरान धैर्य बनाए रखते हुए त्वरित एवं प्रभावी ढंग से बचाव कार्य करने के तरीकों से जेल स्टॉफ एवं बंदियों को अवगत कराया। इस दौरान जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कुकरू में कॉफी प्लांटेशन को गति देने के लिए कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने दिए निर्देश

बैतूल,(निप्र)। जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल एवं हिल स्टेशन कुकरू में कॉफी प्लांटेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल बाजार, उद्यानिकी विभाग सहित संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तार से चर्चा की।

कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने कुकरू में कॉफी उत्पादन के लिए आवश्यक जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने आरईएस , नाबार्ड एवं पीएचई को वाटरशेड सहित विभिन्न जल संरचनाओं के माध्यम से पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुकरू में कॉफी उत्पादन की संभावनाओं को देखते हुए निर्धारित क्षेत्र के साथ-साथ अन्य संभावित क्षेत्रों का भी चिन्हांकन किया जाए। कलेक्टर ने नाबार्ड को क्षेत्र का सर्वे कर कॉफी उत्पादन की संभावनाओं का विस्तृत आकलन करने के निर्देश दिए। बैठक में कुकरू क्षेत्र में रोबेस्टा एवं अरेबिका किस्म की कॉफी के उत्पादन की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि कॉफी उत्पादन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय किसानों को नई आय का स्रोत मिलेगा तथा क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

इसके लिए निर्धारित एफपीओ का गठन कर अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ा जाए तथा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने कुकरू क्षेत्र में कॉफी प्लांटेशन के साथ सोलर मॉडल, मिलेट्स उत्पादन एवं ड्रिप सिंचाई प्रणाली जैसे प्रोजेक्ट्स को भी गति देने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तिवारी, डॉ. इंगले, डॉ. बोहर पी तथा उद्यानिकी विभाग से श्री आर के कोरी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रीडिंग वैन में बच्चों को सुनाई गई प्रेरक कहानियां

सीहोर,(निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में संचालित रीडिंग कैंपेन के अंतर्गत आज चलित रीडिंग वैन कोठरी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंची। इस दौरान पठन एवं कहानी वाचन गतिविधियों का आयोजन किया गया। डाइट से सहायक प्राध्यापक डॉ अनीता बडगुर्जर भालेराव ने कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों को रोचक एवं प्रेरणादायक कहानियां सुनाईं तथा उनसे संवाद कर पठन के प्रति रुचि विकसित करने का प्रयास किया। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को कहानी सुनाने के दौरान केवल तथ्यात्मक प्रश्नों तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें अपने विचार व्यक्त करने, कल्पना शक्ति विकसित करने और स्वयं की कहानियां गढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत किशोरी

बालिकाओं ने किया एक्सपोजर विजिट

हरदा,(निप्र)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिला एवं बाल विकास परियोजना खिरकिया द्वारा बुधवार को चिन्हांकित किशोरी बालिकाओं के लिए एक्सपोजर विजिट आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला हरदा श्री विवेक शर्मा के मार्गदर्शन एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती सरिता सर्याम के नेतृत्व में आयोजित किया गया। एक्सपोजर विजिट के दौरान किशोरी बालिकाओं को तहसील कार्यालय खिरकिया, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खिरकिया, भारतीय स्टेट बैंक खिरकिया एवं पुलिस थाना छीपाबड़ का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान बालिकाओं को संबंधित शासकीय संस्थाओं की कार्यप्रणाली एवं उनके द्वारा प्रदाय की जाने वाली सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।इस अवसर पर बालिकाओं ने विभिन्न शासकीय संस्थाओं की कार्यप्रणाली को समझने में विशेष रुचि दिखाई तथा संस्थाओं से संबंधित अनेक जिज्ञासाएं एवं प्रश्न पूछे। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बालिकाओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इस प्रकार एक्सपोजर विजिट के माध्यम से किशोरी बालिकाओं को शासकीय संस्थाओं की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।कार्यक्रम के सफल आयोजन में सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती सरिता मासरे एवं श्रीमती प्रतिभा बड़कुड़ का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती संगीता विश्वकर्मा, श्रीमती गायत्री ओनकर, श्रीमती सुषमा गीते, श्रीमती नाजरा खान तथा सहायिका श्रीमती सरस्वती महाजन एवं श्रीमती रजनी सोलंकी का विशेष सहयोग रहा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस प्रकार के एक्सपोजर विजिट के माध्यम से किशोरी बालिकाओं में जागरूकता, आत्मविश्वास एवं शासकीय सेवाओं के प्रति समझ विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण

विदिशा,(निप्र)। आम नागरिकों की बिजली प्रदाय संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निर्देशों के अनुपालन में मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर विशेष शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याएं एवं शिकायतें प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया गया।

विभाग द्वारा शिविरों में प्राप्त समस्याओं के शत-प्रतिशत समाधान की पहल की गई है। शिविरों में नवीन विद्युत कनेक्शन, नीचे लटक रहे विद्युत केबल एवं तारों को व्यवस्थित करने, मीटर संबंधी शिकायतों, स्मार्ट मीटर लगवाने, बिजली बिल एवं विद्युत भार बढ़ाने सहित अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। विद्युत विभाग की टीम द्वारा अधिकांश शिकायतों का मौके पर अथवा उपभोक्ताओं के घर पहुंचकर त्वरित निराकरण किया गया।

शिविर के दौरान श्री प्रयाग सिंह कुशवाहा ने घर में लगे विद्युत मीटर के तेज चलने तथा अधिक बिजली बिल आने की शिकायत दर्ज कराई। विद्युत विभाग की टीम ने शिकायत का मौके पर ही समाधान किया। इसी प्रकार कृष्णा कॉलोनी निवासी श्री सतीश चंद्र सक्सेना ने बिजली बिल का विद्युत भार बढ़ाने के लिए आवेदन दिया, जिसका विभागीय टीम द्वारा निराकरण कर दिया गया। श्री इरफान कुरैशी ने विद्युत मीटर लटकने की शिकायत की थी।

इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम उनके घर पहुंची और मीटर को व्यवस्थित कर दिया। कृष्णा कॉलोनी निवासी श्री जीएन शर्मा ने स्मार्ट मीटर लगवाने के लिए आवेदन किया था। विद्युत विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उनके घर पहुंचकर स्मार्ट मीटर स्थापित किया।

मोक्षधाम परिसर में 140 पौधों का रोपण

बैतूल,(निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बिसनूर द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम अभियान 'के अंतर्गत मोक्षधाम परिसर की पहाड़ी पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 140 पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। इसी क्रम में ग्राम वायगांव की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा भी 55 पौधों का रोपण किया गया।

समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया। जिला समन्वयक संतोष सिंह राजपूत ने कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला हैं। उन्होंने सतपुड़ा के घने जंगलों की प्रेरक कहानी सुनाते हुए प्रकृति और जंगलों के संरक्षण का संदेश दिया। विकासखंड समन्वयक राधा बरोदे ने भी पौधरोपण एवं पौधों के संरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों ने भी उपस्थित जनों को संबोधित किया। इसके पश्चात सभी ने मिलकर मोक्षधाम परिसर की पहाड़ी पर 140 पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती प्रियंका ठाकरे, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष श्री मारोती पाटनकर, सचिव श्री अतुल ठाकरे, श्री पंडरीनाथ देशमुख, श्री पांडुरंग माकोड़े, श्री मुकीनंदराव ठाकरे, श्री वामनराव वागाद्रे नवांकुर संस्था, एकीकृत सामाजिक एकेडमिक संस्था गौना एवं ग्राम के वरिष्ठ नागरिक, समिति सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जिले के वन ग्राम पटीमानक चौक में कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा ने ग्रामीणों से किया संवाद

रायसेन,(निप्र)। रायसेन जिले के वन ग्राम पटीमानक चौक में कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में तथा डीएफओ श्रीमती प्रतिभा शुक्ला की उपस्थिति में वन ग्राम पटीमानक चौक को राजस्व ग्राम में संपरिवर्तन संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा ग्रामवासियों से संवाद कर रोजगार एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विषय में चर्चा की गयी।

साथ ही आगामी शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 के तहत सभी खण्ड स्तरीय अधिकारियों जैसे पीएचई, बिजली, वन, राजस्व, पंचायत आदि को शिविर का आयोजन कर किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, कपिल धारा, खेत तालाब योजना, वन मित्र पोर्टल पर लंबित दावों का निराकरण और योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर जिसमें श्री रजनीश शुक्ला उपवनमण्डल अधिकारी सामान्य रायसेन, श्री इंदरसिंह बारे उपवनमण्डल अधिकारी सिलवानी एवं समस्त परिक्षेत्र अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मंडीदीप, जिला रायसेन (म.प्र.)
हकांतरण आपत्ति सूचना

म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत नगर पालिका के संपत्ति कर खाते में निम्नलिखित संपत्तियों के हकांतरण की कार्रवाई की जाना प्रस्तावित हैं। यदि किसी व्यक्ति को नीचे दर्शाई गई संपत्तियों के हकांतरण पर कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर नगर पालिका परिषद मंडीदीप कार्यालय में लिखित प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्र.	नस्ती क्र.	भवन भूमि/प्लॉट/वार्ड का विवरण	विक्रेता का नाम	क्रेता का नाम	क्षेत्रफल	कार्रवाई
1	12245	भूखण्ड क्र. C-110, हिमांशु मेगा सिटी, वार्ड क्र. 23, मंडीदीप	श्री जगदीश चन्द्र सिंह पिता श्री किशन सिंह	श्रीमती कुमारी मीना श्रीवास्तव पति श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव	560 वर्गफीट	रजिस्ट्री
2	12246	वार्ड क्र. 23, शहीद भगत सिंह, मंडीदीप	श्री नंदकिशोर सेन पिता श्री रामचरण सेन	श्री ओमप्रकाश सेन पिता श्री नंदकिशोर सेन	740 वर्गफीट	रजिस्ट्री
3	12247	भूखण्ड क्र. 308, कान्हर गौरी ग्रीन कॉलोनी, वार्ड क्र. 23, मंडीदीप	श्री हरिओम चौरसिया पिता श्री लक्ष्मीनारायण चौरसिया	श्रीमती सोमवती सेन पति श्री अनिल सेन	592 वर्गफीट	रजिस्ट्री
4	12248	भूखण्ड क्र. 252, मधुवन हिल्स कॉलोनी, वार्ड क्र. 24, मंडीदीप	श्री मनोज कापसे पिता श्री जयराम कापसे	श्रीमती नैध्याला महिमा पति श्री नैध्याला जगदीश	450 वर्गफीट	रजिस्ट्री
5	12249	मकान क्र. 201, शीतल मेगा सिटी फेस-02, वार्ड क्र. 23, मंडीदीप	1. श्री अनिल कुमार पटेल पिता श्री रामलाल पटेल 2. श्रीमती पुनम पटेल पति श्री अनिल कुमार पटेल	श्री जितेन्द्र सेन पिता श्री गोकुल प्रसाद	480 वर्गफीट	रजिस्ट्री
6	12250	भूखण्ड क्र. 24, प्लेटिनम सिटी, वार्ड क्र. 24, मंडीदीप	मेसर्स माँ पार्वती इंन्फ्रा डेवेलपर्स	श्री सुरेन्द्र बुवाडे पिता श्री दशरथ बुवाडे	800 वर्गफीट	रजिस्ट्री
7	12251	वार्ड क्र. 23, मंडीदीप	श्रीमती चन्द्रा देवी कुमारावत पति श्री भागीरथ कुमारावत	उन्नतिशील समर्थ शिक्षा कल्याण समिति मंडीदीप	5000 वर्गफीट	रजिस्ट्री
8	12252	प्लॉट क्र. — नर्मदा ब्लॉक 04, तृतीय तल, प्लॉट नं. 10, डी सेक्टर इंडस्ट्रियल एरिया, वार्ड क्र. 13, मंडीदीप	श्री लोकेश पाल पिता स्व. श्री विक्रम सिंह पाल	श्री घनश्याम वर्मा पिता स्व. श्री मोरध्वज वर्मा	600 वर्गफीट	रजिस्ट्री
9	12253	विवेक जागृति रोड, वार्ड क्र. 05, मंडीदीप	श्रीमती बसंती बाई विश्वकर्मा पत्नी स्व. श्री सेवाराम विश्वकर्मा	श्रीमती सविता मालवीय पति श्री लक्ष्मीनारायण मालवीय	185.52 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
10	12254	भूखण्ड क्र. 30, कान्हर ग्रीन वैली कॉलोनी, वार्ड क्र. 24, मंडीदीप	श्री ब्रजेन्द्र पाल उर्फ विजेन्द्र पाल पिता स्व. श्री नरेन्द्र सिंह पाल	श्रीमती रीना देवी पति श्री रामदयाल शाह	700 वर्गफीट	रजिस्ट्री
11	12255	भूखण्ड क्र. 86, सांवलिया विहार कॉलोनी, वार्ड क्र. 26, मंडीदीप	श्री गोविन्द जोहरी पिता श्री हरिप्रसाद जोहरी	श्री तख्त सिंह राजपूत पिता श्री धीरज सिंह राजपूत	990 वर्गफीट	रजिस्ट्री
12	12256	भूखण्ड क्र. 45, ग्रीन वैली कॉलोनी, वार्ड क्र. 24, मंडीदीप	श्री ब्रजेन्द्र पाल उर्फ विजेन्द्र पाल पिता स्व. श्री नरेन्द्र सिंह पाल	श्रीमती राखी रानी कर पति श्री मिथुन कर	525 वर्गफीट	रजिस्ट्री
13	12257	भूखण्ड क्र. 35, वार्ड क्र. 01, महावीर नगर फेस-02, मंडीदीप	श्री संदीप जैन पिता श्री संतोष जैन	1. श्री मुकेश राय पिता स्व. श्री केसरी लाल राय 2. श्रीमती प्रभा राय पति श्री मुकेश राय	900 वर्गफीट	रजिस्ट्री
14	12268	भूखण्ड क्र. 229, शांति नगर, वार्ड क्र. 23, मंडीदीप	श्रीमती विमला कुरौठे पति श्री यादव राय कुरौठे	श्रीमती शीलाराज साहू पति श्री राजकुमार	1300 वर्गफीट	रजिस्ट्री
15	12259	भूखण्ड क्र. 79, के.डी.पी. घर आंगन कॉलोनी, वार्ड क्र. 25, मंडीदीप	वैष्णव प्रमोटर्स एण्ड डेवेलपर्स	1. श्री विजय कुमार झरवडे पिता श्री भुरा जी झरवडे 2. श्रीमती वीणा झरवडे पति श्री विजय कुमार झरवडे	78.8 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
16	12260	भूखण्ड क्र. 80, के.डी.पी. घर आंगन कॉलोनी, वार्ड क्र. 25, मंडीदीप	वैष्णव प्रमोटर्स एण्ड डेवेलपर्स	1. श्री विजय कुमार झरवडे पिता श्री भुरा जी झरवडे 2. श्रीमती वीणा झरवडे पति श्री विजय कुमार झरवडे	78.8 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
17	12261	भूखण्ड क्र. 21, के.डी.पी. घर आंगन कॉलोनी, वार्ड क्र. 25, मंडीदीप	वैष्णव प्रमोटर्स एण्ड डेवेलपर्स	श्री सुरेश पांडले पिता श्री चिन्तु पांडले	116.20 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
18	12262	वार्ड क्र. 10, शांति नगर, मंडीदीप	स्व. प्रभा देवी पति स्व. रामचन्द्र सक्सेना	श्री अखिलेश सक्सेना पिता श्री रामचन्द्र सक्सेना	800 वर्गफीट	मृत्यु प्रमाण पत्र
19	12263	फ्लैट क्र. एस.एस. 06, वार्ड क्र. 13, इंडस्ट्रियल एरिया, मंडीदीप	इण्डस कॉलोनाइजर्स प्रा. लि.	श्री हरदीप सिंह सैनी पिता श्री एस.एस. सैनी	600 वर्गफीट	रजिस्ट्री
20	12264	मकान क्र. 86, वार्ड क्र. 23, शीतल होम्स, मंडीदीप	श्री अजय कुमार विनोदिया पिता श्री छोटेलाल विनोदिया	श्रीमती संगीता लोवंशी पति श्री राजेश लोवंशी	480 वर्गफीट	रजिस्ट्री
21	12265	मकान क्र. 86, वार्ड क्र. 23, शीतल होम्स, मंडीदीप	मेसर्स श्री प्रभाकर कंस्ट्रक्शन कंपनी	श्री अजय कुमार विनोदिया पिता श्री छोटेलाल विनोदिया	480 वर्गफीट	रजिस्ट्री
22	9813	वार्ड क्र. 23, रामनगर, मंडीदीप	श्री मोहम्मद शरीफ कुरैशी पिता श्री मोहम्मद हनीफ कुरैशी (स्व. श्री चन्द्रशेखर खत्री पिता स्व. श्री मोतीलाल खत्री)	1. श्रीमती कांता खत्री पति स्व. श्री चन्द्रशेखर खत्री 2. श्री अंकित खत्री पिता स्व. श्री चन्द्रशेखर खत्री 3. श्री हेमन्त खत्री पिता स्व. श्री चन्द्रशेखर खत्री	2000 वर्गफीट	मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री एवं तहसील का नामांतरण
23	12094	भूखण्ड क्र. 392, मधुवन हिल्स, वार्ड क्र. 24, मंडीदीप	मधुवन ग्रीन्स (स्व. श्री दिनेश कुमार देशमुख पिता श्री रामराव जी देशमुख)	श्रीमती रमा देशमुख स्व. श्री दिनेश कुमार देशमुख	1260 वर्गफीट	मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री
24	12266	भूखण्ड क्र. 119, कान्हर शीतल मेगा सिटी फेस-05, वार्ड क्र. 23, मंडीदीप	मेसर्स पुष्पदत्त बिल्डर्स प्रा. लि.	श्रीमती सुनीता तोमर पति श्री ब्रजेश तोमर	102.23 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
25	12103	भूखण्ड क्र. एफ-एस-03, महावीर नगर फेस-02 अपार्टमेंट, वार्ड क्र. 01, मंडीदीप	मेसर्स पारसमाथ बिल्डर्स एंण्ड डेवेलपर्स (श्री उमाशंकर पिता श्री गंगासहाय)	श्रीमती आरती वाजपेयी पति स्व. श्री उमाशंकर वाजपेयी	525 वर्गफीट	मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री

आपत्तिं प्रस्तुत करने की अवधि: सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस।

विज्ञप्ति क्रमांक: 3559 / राजस्व / नपा./ दिनांक-22/08/2026

प्रियंका राजेन्द्र अग्रवाल
अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद मंडीदीप, जिला रायसेन (म.प्र.)

मंडी स्थित विश्राम घाट का होगा जीर्णोद्धार, 25 लाख रुपये से सौंदर्यीकरण, मिलेंगी नागरिक सुविधाएं

नगर पालिका ने किया भूमिपूजन, स्थानीय लोग लम्बे समय से कर रहे थे विश्राम घाट में मूलभूत सुविधाओं की मांग।

मंडीदीप। औद्योगिक शहर के मंडी क्षेत्र में स्थानीय नागरिकों को अंतिम संस्कार के समय सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से नगर पालिका ने वार्ड क्रमांक 23 स्थित विश्राम घाट (श्मशान घाट) के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। रविवार को इस कार्य का भूमिपूजन किया गया।

नपा की इस योजना पर लगभग 25 लाख रुपये की अनुमानित लागत आएगी। नपा की निर्माण शाखा के अनुसार परिसर में विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे, जिसमें मूलभूत सुविधाओं का विकास शामिल है, ताकि यहां आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मोके पर

नपा अध्यक्ष प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुष्पा प्रेमशंकर साहू, पार्षद खुशबू अभिषेक मारण, वार्ड के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नपा अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल ने कहा कि 'स्थानीय जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। क्षेत्र का समग्र विकास और पारदर्शिता हमारी कार्यशैली का मुख्य हिस्सा है।' यह कार्य नागरिक सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाएगा।

क्यों जरूरी था यह जीर्णोद्धार?

शहर की लगभग 30 प्रतिशत आबादी इस क्षेत्र में निवास करती है। इसके बावजूद विश्राम घाट में मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण ज्यादातर लोग अपने मृत परिजनों का अंतिम संस्कार करने के लिए सतलापुर रोड स्थित दूसरे विश्राम घाट या मंडीदीप जाना पड़ता था। अब नए विकास कार्य पूरे होने के बाद स्थानीय लोगों को दूर नहीं जाना पड़ेगा।

रक्षाबंधन पर बहनों के लिए कपड़ों व स्मार्टफोन की मांग में उछाल

मंडीदीप में रक्षाबंधन की धूम
बाजारों में रंग-बिरंगी राखियों की बहार

भोजपुर की आवाज़ @ मंडीदीप

औद्योगिक शहर में पवित्र पर्व रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में जोरदार रौनक देखने को मिल रही है। भाई-बहन के अटूट प्रेम के इस त्योहार के लिए शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र सज चुके हैं। इस वर्ष बाजार में राखियों के नए कलेक्शंस से लेकर उपहारों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़भाड़ नजर आ रही है।

शहर के मुख्य व्यापारिक केंद्र शनिवार बाजार, गांधी चौक, मंगल बाजार और सतलापुर क्षेत्र में रक्षाबंधन की खरीददारी को लेकर ग्राहकों की चहल-पहल नजर आने लगी है। सड़क किनारे लगी अस्थाई दुकानों और पक्की दुकानों पर रंग-बिरंगी राखियां सहज़ ही लोगो का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

राखी की वेरायटीः बच्चों के लिए कार्टून, बड़ों के लिए फैंसी डिज़ाइन्स - इस वर्ष बाजार में पारंपरिक राखियों के साथ-साथ कई आधुनिक डिज़ाइन्स की मांग अधिक हैः

1. बच्चों की पहली पसंदः बच्चों के लिए डोरेमोन, पोकेमॉन, हल्क, स्पाइडर-मैन, मोटू-पतलू और छोटा भीम जैसी कार्टून कैरेक्टर वाली राखियां खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इनमें लाइट वाली, स्पिनर और खिलौने जैसी राखियां भी उपलब्ध हैं।
2. बाजार में बड़ों के लिए स्टोन (एडी स्टोन), कुंदन, मोती, रुद्राक्ष, मोर पंख, कश्मीरी स्टाइल और ब्रेसलेट वाली राखियों की डिमांड ज्यादा है।
3. भैया-भाभी सेट और फैमिली पैक (भैया-भाभी-भतीजा-भतीजी) भी लोकप्रिय हो रहे हैं। इसके अलावा मारवाड़ी व राजस्थानी पैटर्न के सुंदर लूंबा सेट की भी अच्छी मांग है।

महंगाई का असरः 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़े दाम

इस वर्ष कच्चे माल, रेशमी धागों और परिवहन लागत में हुई बढ़ोतरी के कारण राखियों की कीमतों में औसतन 15% से 20% तक का इजाफा देखा जा रहा है।

सामान्य धागा राखियांः 10 से 50 तक, फैंसी व कुंदन/स्टोन राखियांः 100 से 350 तक, बच्चों की लाइट/म्यूजिकल राखियांः 50 से 150 तक बिक रही है, लेकिन चांदी के भाव में तेजी के कारण इस वर्ष चांदी की राखियों की मांग में तेजी नजर नहीं आ रही है।

इनका कहना है

प्रतिवर्ष रक्षाबंधन पर स्मार्ट फोन की बिक्री अच्छी रहती है, लेकिन इस वर्ष मोबाइल की कीमतों में 25% तक वृद्धि होने के बाद भी कई तरह के ऑफर हैं।

अनूप चौहान, अंशिका मोबाइल।

दुकानें भी गुलजारः कपड़े और मोबाइल की मांग -

रक्षाबंधन पर केवल राखियां ही नहीं, बहनों को देने के लिए भाई उपहारों की खरीदारी में भी पीछे नहीं हैंः

कपड़ा बाजारः शहर के शनिवार बाजार, गांधी चौक सहित मंगल बाजार स्थित गारमेंट शोरूम्स पर लेडीज सूट्स, साड़ियों और वेस्टर्न वियर की काफी मांग है।

इलेक्ट्रॉनिक्स व मोबाइल स्टोर्सः रक्षाबंधन ऑफर के तहत बजट और मिड-रेंज स्मार्टफोन्स, स्मार्टवॉच और इयरबड्स की बिक्री तेजी से बढ़ी है।

इनका कहना है

इस वर्ष राखियों पर महंगाई का थोड़ा असर है, लेकिन त्योहार का उत्साह कम नहीं हुआ है और लोग अपनी पसंद की राखियां खरीद रहे हैं।

पिंटू मालवीय, राखी एवं गिफ्ट हॉउस संचालक

बेटियाँः स्वतंत्रता से आत्मनिर्भरता की ओर

'नारी मन'

नमिता बगीश अग्रवाल
अतिथि संपादक

आज की बेटियाँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परचम लहरा रही हैं। बदलते दौर के साथ यह आवश्यक है कि बेटियों को अपने जीवन के निर्णय लेने, उच्च शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को साकार करने की पूर्ण स्वतंत्रता मिले।

बेटी की स्वतंत्रता का तात्पर्य अपने परिवार या संस्कारों से विमुख होना नहीं, बल्कि उसे अपने विचार अभिव्यक्त करने, उचित-अनुचित का भेद समझने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देना है। एक शिक्षित और स्वावलंबी बेटी न केवल अपना भविष्य उज्वल बनाती है, बल्कि संपूर्ण परिवार और समाज को भी सुदृढ़ आधार प्रदान करती है।

हमारा यह परम दायित्व है कि हम बेटियों को एक सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उन्नति के समान अवसर प्रदान करें। उनमें यह विश्वास जगाना आवश्यक है कि वे किसी से कम नहीं हैं और समाज में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने में पूर्णतः सक्षम हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बेटियों को केवल सपने देखने की ही नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने की भी आज़ादी दें। उन्हें आत्मविश्वास, सुसंस्कार और उत्कृष्ट शिक्षा के बल पर निरंतर आगे बढ़ने के अवसर मिलने चाहिए।

बेटी को स्वतंत्रता दीजिए और उसे सक्षम बनाइए—क्योंकि एक सशक्त बेटी ही सशक्त परिवार, समृद्ध समाज और उन्नत राष्ट्र की वास्तविक नींव है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मंडीदीप, जिला रायसेन (म.प्र.)

स्वच्छ नगर स्वस्थ नगर

सार्वजनिक सूचना

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026, 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी

- कचरे को घर/ प्रतिष्ठान पर ही अलग-अलग करें।
- गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग दें।
- नगरपालिका के अधिकृत वाहन को ही दें।
- पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को रिसाइक्लिंग के लिए उपलब्ध कराएं।
- अधिक से अधिक Recycle और Reuse करें।
- सैनिटरी कचरे को सुरक्षित चेक कर अलग रखें।
- विशेष देखभाल वाले कचरे को सामान्य कचरे में न मिलाएं, निर्धारित केंद्र पर जमा करें।

आइए! मिलकर बनाएं स्वच्छ और सुंदर मंडीदीप

कचरे की 4 श्रेणियों में स्रोत पर पृथक्करण अनिवार्य

1	2	3	4
हरा रंग	नीला रंग	पीला रंग	काला रंग
गीला कचरा (Wet Waste) भोजन, सब्जी, फल के छिलके आदि।	सूखा कचरा (Dry Waste) प्लास्टिक, कागज, धातु, गत्ते आदि।	सैनिटरी वेस्ट (Sanitary Waste) डायपर, सैनिटरी पैड आदि।	विशेष देखभाल वाला कचरा (Special care waste) बल्ब, दवाइयां, गंदे डिब्बे आदि।

आज का छोटा प्रयास, कल का स्वच्छ मंडीदीप

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, मंडीदीप
जिला रायसेन (म.प्र.)

भोजपुर की आवाज
मेडिकल हेल्पलाइन

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
+ दवाईयाँ +
श्रीजा मेडिकल स्टोर
एण्ड हेल्थ केयर सेंन्टर
सभी प्रकार की दवाईयाँ उचित दामों पर उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएँ
- E.C.G.
- Blood Test Collection Center
- फ्री होम डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध है

डॉ. विकास सिंह
MBBS, MS (ORTHOPAEDICS), BHU, (FUR)
EX SENIOR RESIDENT AIIMS

विशेषज्ञ फेफड़े एवं श्वसन रोग
डॉ. अनिमेष दुबे
MBBS, MD (PULMONARY MEDICINE)
ASSOCIATE PROFESSOR IN MEDICAL COLLEGE & LJK HOSPITAL

उपलब्ध सुविधाएँ
आकांक्षा नगर, रॉयल पार्क कॉलोनी रोड, वार्ड 23 मंडीदीप, जिला रायसेन मप्र।
मो. 7400556445

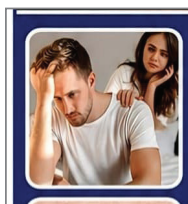

Reg 06-21/005
मो. 9200278079
चॉदसी दवाखाना
डॉ. एम.के. टाली
बिना ऑपरेशन के अडेकोश (Hydrocel), बवासीर फीचर और भगंदर शातिया इलाज, लकवा नसों की समस्या, शरीर का दर्द, थेरेपी द्वारा ठीक किया जाता है

गुप्त रोग, बर्मारोग का 100% गारंटी को इलाज किया जाता है
सुजोक थेरेपी सेंटर | लकवा निदान केन्द्र
पता : स्टेशन रोड, मंण्डीदीप

ज्योतिका डेन्टल क्लिनिक
DENTISTRY & BEYOND
डॉ. विखास
9589891215, 7000383705
दाँतों का दरखाना
पहला ISO 9001:2015 QMS द्वारा प्रमाणित दाँतों का अस्पताल
मो.: 9589891215
7000383705
Dr. T.N. Biswas
Oral Hygiene Specialist (Reg.No. A-DH00040)
मिलने का समय : सोमवार से शनिवार - प्रातः 10.00 से 2.00 तक एवं शाम 4.00 से 8.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

JDC
विजय मार्केट के सामने, स्टेशन रोड, मंडीदीप

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक मिथलेश रघुवंशी जेएन आफसेट, वर्क्स 119 इनारा हाऊस, रायसेन रोड पुल बोगदा भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं मकान नंबर-9 रॉयल पार्क सिटी कॉलोनी वार्ड नंबर 23 रेल्वे स्टेशन के पास मंडीदीप, तहसील गोहरगंज जिला रायसेन 462046 म.प्र. से प्रकाशित। संपादक-मिथलेश रघुवंशी। मोबा. 942440707, Email:bhojpurkiawaz@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)